भारत की प्रमुख नदियों के नाम, उद्गम स्थल एवं सहायक नदियों की सूची

samanyagyan.com/hindi/gk-famous-indian-rivers

भारत की प्रमुख नदियाँ: (Important Rivers of India in Hindi)

भारत की नदियों का देश के आर्थिक एवं सांस्कृतिक विकास में प्राचीनकाल से ही महत्वपूर्ण योगदान रहा है। सिन्धु तथा गंगा नदियों की घाटियों में ही विश्व की सर्वाधिक प्राचीन सभ्यताओं- **सिन्धु घाटी** तथा आर्य सभ्यता का आर्विभाव हुआ। आज भी देश की सर्वाधिक जनसंख्या एवं कृषि का संकेन्द्रण नदी घाटी क्षेत्रों में पाया जाता है। प्राचीन काल में व्यापारिक एवं यातायात की सुविधा के कारण देश के अधिकांश नगर नदियों के किनारे ही विकसित हुए थे तथा आज भी देश के लगभग सभी धार्मिक स्थल किसी न किसी नदी से सम्बद्ध है।

इन्हें भी पढे: नदियों के किनारे बसे भारत के प्रमुख नगर व शहर

भारत की नदियों को चार समूहों में वर्गीकृत किया जा सकता है जैसे :-

- हिमालय से निकलने वाली नदियाँ
- दक्षिण से निकलने वाली नदियाँ
- तटवर्ती नदियाँ
- अंतर्देशीय नालों से द्रोणी क्षेत्र की नदियाँ

भारत की प्रमुख नदियों की सूची:

यहाँ हम आपको भारत की सभी प्रमुख नदियों के नामों की सूची दे रहें हमेशा इसी आईएस आईएएस परीक्षाओं में इनसे संबंधित प्रश्न पूछे जाते हैं

नदी का नाम	उद्गम स्थल	सहायक नदियाँ व प्रवाह क्षेत्र
सिन्धु नदी	मानसरोवर झील के निकट (तिब्बत)	सतलुज, व्यास, झेलम, चिनाब, रावी, शिंगार, गिलगित, श्योक (जम्मू और कश्मीर, लेह)
झेलम नदी	शेषनाग झील, जम्मू-कश्मीर	किशन, गंगा, पुँछ, लिदार, करेवाल, सिंध (जम्मू-कश्मीर, कश्मीर)
चिनाब नदी	बारालाचा दर्रे के निकट	चन्द्रभागा (जम्मू-कश्मीर)
रावी नदी	रोहतांग दर्रा, कांगड़ा	साहो, सुइल (हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, पंजाब)
सतलुज नदी	मानसरोवर के निकट राकसताल	व्यास, स्पिती, बस्पा (हिमाचल प्रदेश, पंजाब)
व्यास नदी	रोहतांग दर्रा	तीर्थन, पार्वती, हुरला (हिमाचल प्रदेश)
गंगा नदी	गंगोत्री के निकट गोमुख से	यमुना, रामगंगा, गोमती, बागमती, गंडक, कोसी, सोन, अलकनंदा, भागीरथी, पिण्डार, मंदाकिनी (उत्तरांचल, उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल)
यमुना नदी	यमुनोत्री ग्लेशियर	चम्बल, बेतवा, केन, टोंस, गिरी, काली, सिंध, आसन (उत्तरांचल, उत्तर प्रदेश, दिल्ली)
रामगंगा नदी	नैनीताल के निकट एक हिमनदी से	खोन (उत्तरांचल, उत्तर प्रदेश)

घाघरा नदी	मप्सातुंग (नेपाल) हिमनद	शारदा, करनली, कुवाना, राप्ती, चौकिया (उत्तर प्रदेश, बिहार)
गंडक नदी	नेपाल तिब्बत सीमा पर मुस्ताग के निकट	काली, गंडक, त्रिशूल, गंगा (बिहार)
कोसी नदी	नेपाल में सप्तकोशिकी (गोंसाईधाम)	इन्द्रावती, तामुर, अरुण, कोसी (सिक्किम, बिहार)
चम्बल नदी	मऊ के निकट जानापाव पहाड़ी से	काली, सिंध, सिप्ता, पार्वती, बनास (मध्य प्रदेश)
बेतवा नदी	भोपाल के पास उबेदुल्ला गंज के पास	– (मध्य प्रदेश)
सोन नदी	अमरकंटक की पहाड़ियों से	रिहन्द, कुनहड़ (मध्य प्रदेश, बिहार)
दामोदर नदी	छोटा नागपुर पठार से दक्षिण पूर्व	कोनार, जामुनिया, बराकर (झारखण्ड, पश्चिम बंगाल)
ब्रह्मपुत्र नदी	मानसरोवर झील के निकट (तिब्बत में सांग्पो)	घनसिरी, कपिली, सुवनसिती, मानस, लोहित, नोवा, पद्मा, दिहांग (अरुणाचल प्रदेश, असम)
महानदी	सिहावा के निकट रायपुर	सियोनाथ, हसदेव, उंग, ईब, ब्राह्मणी, वैतरणी (मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उड़ीसा)
वैतरणी नदी	क्योंझर पठार	– (उड़ीसा)
स्वर्ण रेखा	छोटा नागपुर पठार	– (उड़ीसा, झारखण्ड, पश्चिम बंगाल)
गोदावरी नदी	नासिक की पहाड़ियों से	प्राणहिता, पेनगंगा, वर्धा, वेनगंगा, इन्द्रावती, मंजीरा, पुरना (महाराष्ट्र, कर्नाटक, आन्ध्र प्रदेश)
कृष्णा नदी	महाबलेश्वर के निकट	कोयना, यरला, वर्णा, पंचगंगा, दूधगंगा, घाटप्रभा, मालप्रभा, भीमा, तुंगप्रभा, मूसी (महाराष्ट्र, कर्नाटक, आन्ध्र प्रदेश)
कावेरी नदी	केरकारा के निकट ब्रह्मगिरी	हेमावती, लोकपावना, शिमला, भवानी, अमरावती, स्वर्णवती (कर्नाटक, तमिलनाडु)
नर्मदा नदी	अमरकंटक चोटी	तवा, शेर, शक्कर, दूधी, बर्ना (मध्य प्रदेश, गुजरात)
ताप्ती नदी	मुल्ताई से (बेतूल)	पूरणा, बेतूल, गंजल, गोमई (मध्य प्रदेश, गुजरात)
साबरमती	जयसमंद झील (उदयपुर)	वाकल, हाथमती (राजस्थान, गुजरात)

लूनी नदी	नाग पहाड़	सुकड़ी, जनाई, बांडी (राजस्थान, गुजरात, मिरुडी, जोजरी)
बनास नदी	खमनौर पहाड़ियों से	सोड्रा, मौसी, खारी (कर्नाटक, तमिलनाडु)
माही नदी	मेहद झील से	सोम, जोखम, अनास, सोरन (मध्य प्रदेश, गुजरात)
हुगली नदी	नवद्वीप के निकट	जलांगी
उत्तरी पेन्नार	नंदी दुर्ग पहाड़ी	पाआधनी, चित्रावती, सागीलेरु
तुंगभद्रा नदी	पश्चिमी घाट में गोमन्तक चोटी	कुमुदवती, वर्धा, हगरी, हिंद, तुंगा, भद्रा
मयूसा नदी	आसोनोरा के निकट	मेदेई
साबरी नदी	सुईकरम पहाड़ी	सिलेरु
इन्द्रावती नदी	कालाहाण्डी, उड़ीसा	नारंगी, कोटरी
क्षिप्रा नदी	काकरी बरडी पहाड़ी, इंदौर	चम्बल नदी
शारदा नदी	मिलाम हिमनद, हिमालय, कुमायूँ	घाघरा नदी
तवा नदी	महादेव पर्वत, पंचमढ़ी	नर्मदा नदी
हसदो नदी	सरगुजा में कैमूर पहाड़ियाँ	महानदी
काली सिंध नदी	बागलो, ज़िला देवास, विंध्याचल पर्वत	यमुना नदी
सिन्ध नदी	सिरोज, गुना ज़िला	चम्बल नदी
केन नदी	विंध्याचल श्रेणी	यमुना नदी
पार्वती नदी	विंध्याचल, मध्य प्रदेश	चम्बल नदी
घग्घर नदी	कालका, हिमाचल प्रदेश	–
बाणगंगा नदी	बैराठ पहाड़ियाँ, जयपुर	यमुना नदी

सोम नदी	बीछा मेंड़ा, उदयपुर	जोखम, गोमती, सारनी
आयड़ या बेडच नदी	गोमुण्डा पहाड़ी, उदयपुर	बनास नदी
दक्षिण पिनाकिन	चेन्ना केशव पहाड़ी, कर्नाटक	–
दक्षिणी टोंस	तमसा कुंड, कैमूर पहाड़ी	–
दामन गंगा नदी	पश्चिम घाट	–
गिरना नदी	पश्चिम घाट, नासिक	–

इन्हें भी पढे: भारत के प्रमुख पर्वतीय नगर और उनकी ऊंचाई

भारत की प्रमुख नदियों के प्राचीन नाम व आधुनिक नामों की सूची:

भारत की प्रमुख नदियों का प्राचीन नाम	भारत की प्रमुख नदियों आधुनिक नाम
कुभु	कुर्रम
कुभा	काबुल
वितस्ता	झेलम
आस्किनी	चिनाव
पुरुष्णी	रावी
शतुद्रि	सतलज
विपाशा	व्यास
सदानीरा	गंडक
दृषद्वती	घग्घर
गोमती	गोमल
सुवास्तु	स्वात
सिंधु	सिन्ध
सरस्वती / दृशद्वर्ती	घघ्घर / रक्षी / चित्तग
सुषोमा	सोहन
मरुद्वृधा	मरुवर्मन

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न

सिंधु नदी प्रणाली क्या है?

- मानस सरोवर झील के पास तिब्बत में कैलाश श्रेणी के उत्तरी ढलानों से सिंधु निकलती है।
- इसकी भारत और पाकिस्तान दोनों में बड़ी संख्या में सहायक नदियाँ हैं और स्रोत से कराची के पास बिंदु तक लगभग 2897 किमी की कुल लंबाई है जहाँ यह अरब सागर में गिरती है जिसमें से लगभग 700 किमी भारत में स्थित है।
- यह एक सुरम्य कण्ठ बनाकर जम्मू-कश्मीर में भारतीय क्षेत्र में प्रवेश करता है।
- कश्मीर क्षेत्र में, यह कई सहायक नदियों – ज़स्कर, श्योक, नुब्रा और हुंजा के साथ मिलती है।
- यह लेह में लद्दाख रेंज और ज़स्कर रेंज के बीच बहती है।
- यह अटैक के पास 5181 मीटर गहरे कण्ठ से हिमालय को पार करती है, जो नंगा परबत के उत्तर में स्थित है।
- भारत में सिंधु नदी की प्रमुख सहायक नदियाँ झेलम, रावी, चिनाब, ब्यास और सतलज हैं।

ब्रह्मपुत्र नदी प्रणाली क्या है?

- ब्रह्मपुत्र मानसरोवर झील से निकलती है, जो सिंधु और सतलज का एक स्रोत भी है।
- यह 3848kms लंबा है, सिंधु नदी की तुलना में थोड़ा लंबा है।
- इसका अधिकांश पाठ्यक्रम भारत के बाहर है।
- यह पूर्व दिशा में हिमालय के समानांतर बहती है। जब यह नामचा बरवा पहुंचता है, तो यह इसके चारों ओर एक यू-टर्न लेता है और अरुणाचल प्रदेश राज्य में प्रवेश करता है।
- यहां इसे दिहांग नदी के नाम से जाना जाता है। भारत में, यह अरुणाचल प्रदेश और असम राज्यों के माध्यम से बहती है और कई सहायक नदियों द्वारा जुड़ा हुआ है।
- ब्रह्मपुत्र का असम में अधिकांश लंबाई में एक लट में चैनल है।

नदी को तिब्बत में त्सांगपो के नाम से जाना जाता है। यह पानी की कम मात्रा प्राप्त करता है और तिब्बत क्षेत्र में कम गाद है। लेकिन भारत में, नदी भारी वर्षा के क्षेत्र से गुजरती है, और इस तरह, नदी वर्षा के दौरान बड़ी मात्रा में पानी और एक महत्वपूर्ण मात्रा में गाद ले जाती है। इसे वॉल्यूम के लिहाज से भारत की सबसे बड़ी नदियों में से एक माना जाता है। यह असम और बांग्लादेश में आपदा पैदा करने के लिए जाना जाता है।

गंगा नदी प्रणाली क्या है?

- गंगा गंगोत्री ग्लेशियर से भागीरथी के रूप में निकलती है।
- गढ़वाल मंडल में देवप्रयाग पहुंचने से पहले मंदाकिनी, पिंडर, धौलीगंगा और बिशनगंगा नदियाँ अलकनंदा और भेलिंग नाले में भागीरथी में मिल जाती हैं।
- पिंडर नदी पूर्वी त्रिशूल से निकलती है और नंदा देवी करन प्रयाग में अलकनंदा से मिलती है। मंदाकिनी रुद्रप्रयाग में मिलती है।
- भागीरथी और अलकनंदा दोनों का पानी देवप्रयाग में गंगा के नाम से बहता है।

पंच प्रयाग की अवधारणा

1. **विष्णुप्रयाग:** जहां अलकनंदा नदी धौली गंगा नदी से मिलती है
2. **नंदप्रयाग:** जहाँ अलकनंदा नदी नंदकिनी नदी से मिलती है
3. **कर्णप्रयाग:** जहाँ अलकनंदा नदी पिंडर नदी से मिलती है
4. **रुद्रप्रयाग:** जहाँ अलकनंदा नदी मंदाकिनी नदी से मिलती है
5. **देवप्रयाग:** जहाँ अलकनंदा नदी भागीरथी-गंगा नदी से मिलती है

गंगा की प्रमुख सहायक नदियाँ यमुना, दामोदर, सप्त कोसी, राम गंगा, गोमती, घाघरा और सोन हैं। नदी अपने स्रोत से 2525 किमी की दूरी तय करने के बाद बंगाल की खाड़ी से मिलती है।

यमुना नदी प्रणाली क्या है?

- यमुना नदी गंगा नदी की सबसे बड़ी सहायक नदी है।
- यह उत्तराखंड के बंदरपून शिखर पर यमुनोत्री ग्लेशियर से निकलती है।
- नदी में शामिल होने वाली मुख्य सहायक नदियों में पाप, हिंडन, बेतवा केन और चंबल शामिल हैं।
- टोंस यमुना की सबसे बड़ी सहायक नदी है।
- नदी का जलग्रहण क्षेत्र दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान और मध्य प्रदेश तक फैला हुआ है।

तापी नदी प्रणाली क्या है?

- यह एक केंद्रीय भारतीय नदी है। यह पूर्व से पश्चिम तक की दौड़ के साथ प्रायद्वीपीय भारत की सबसे महत्वपूर्ण नदियों में से एक है।
- यह दक्षिणी मध्य प्रदेश राज्य के पूर्वी सतपुड़ा में उत्पन्न होती है।
- यह एक पश्चिम दिशा में बहती है, कुछ महत्वपूर्ण ऐतिहासिक स्थानों जैसे मध्य प्रदेश के निमाड़ क्षेत्र, पूर्वी विदर्भ क्षेत्र और महाराष्ट्र के खानदेश से दक्षिण पूर्व पठार के उत्तर-पश्चिम कोने में और दक्षिण गुजरात में अरब सागर के कैम्बे की खाड़ी में बहने से पहले बहती है।
- तापी नदी का बेसिन नदी ज्यादातर पूर्वी और उत्तरी जिलों में स्थित है।
- नदी मध्य प्रदेश और गुजरात के कुछ जिलों को भी कवर करती है।
- तापी नदी की प्रमुख सहायक नदियाँ वाघुर नदी, अनर नदी, गिरना नदी, पूर्णा नदी, पंजारा नदी और बोरी नदी हैं।

गोदावरी नदी प्रणाली क्या है?

- गोदावरी नदी भारत में भू-जल के साथ दूसरा सबसे लंबा कोर्स है।
- नदी को अक्सर दक्षिण (दक्षिण) गंगा या वृद्ध (पुरानी) गंगा के रूप में जाना जाता है।
- यह एक मौसमी नदी है, जो गर्मियों के दौरान सूख जाती है, और मानसून के दौरान चौड़ी हो जाती है।
- यह नदी महाराष्ट्र के नासिक के पास त्र्यंबकेश्वर से निकलती है।
- यह दक्षिण-मध्य भारत में मध्य प्रदेश, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और उड़ीसा राज्यों से होकर बहती है और बंगाल की खाड़ी में बहती है।
- राजामुंदरी में नदी एक उपजाऊ डेल्टा बनाती है।
- इस नदी के तट पर कई तीर्थ स्थल हैं, नासिक (महाराष्ट्र), भद्राचलम (टीएस), और त्र्यंबक। इसकी कुछ सहायक नदियों में प्राणहिता (पेनुंगा और वर्धा का संयोजन), इंद्रावती नदी, बिन्दुसार, सबरी और मंजीरा शामिल हैं।
- एशिया का सबसे बड़ा रेल-सह-सड़क पुल जो कोवूर और राजमुंदरी को जोड़ता है, गोदावरी नदी पर स्थित है।

कृष्णा नदी प्रणाली क्या है?

- कृष्णा भारत की सबसे लंबी नदियों में से एक है, जो महाराष्ट्र के महाबलेश्वर से निकलती है।
- यह सांगली से होकर बहती है और बंगाल की खाड़ी में समुद्र को बहा देती है।
- यह नदी महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश राज्यों से होकर बहती है।
- तुंगभद्रा नदी मुख्य सहायक नदी है जो स्वयं पश्चिमी घाट में उत्पन्न होने वाली तुंगा और भद्रा नदियों द्वारा बनाई गई है।
- दुधगंगा नदियाँ, कोयना, भीम, मल्लप्रभा, बिंदी, घाटप्रभा, वार्ना, येरला, और मुसी कुछ अन्य सहायक नदियाँ हैं।

कावेरी नदी प्रणाली क्या है?

- कावेरी को दक्षिण गंगा के नाम से भी जाना जाता है।
- यह पश्चिमी घाट में स्थित तालकवेरी से निकलती है।
- यह कर्नाटक के कोडागु जिले में एक प्रसिद्ध तीर्थ और पर्यटन स्थल है।
- नदी के मुख्यद्वार कर्नाटक राज्य के पश्चिमी घाट श्रेणी में हैं, और तमिलनाडु के माध्यम से कर्नाटक से।
- नदी बंगाल की खाड़ी में बहती है। नदी कृषि के लिए सिंचाई का समर्थन करती है और इसे दक्षिण भारत के प्राचीन राज्यों और आधुनिक शहरों के समर्थन का साधन माना जाता है।
- नदी की कई सहायक नदियाँ हैं, जिन्हें अर्कावथी, शिमशा, हेमवती, कपिला, शिमशा, होन्नुहोल, अमरावती, लक्ष्मण काबीनी, लोकपावनी, भवानी, नौय्याल और तीर्थ कहा जाता है।